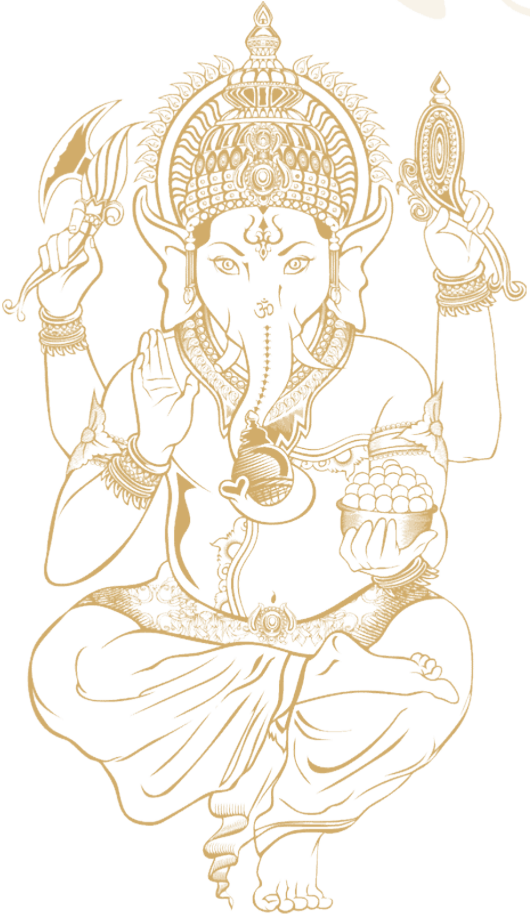

SHAILIKA

16 Aug 1997

05:58 AM

Anupgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120942202

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **15-16/08/1997**
दिन	: शुक्र-शनिवार
जन्म समय	: **05:58:00 घंटे**
इष्ट	: 59:41:13 घटी
स्थान	: **Anupgarh**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 29:11:00 उत्तर
रेखांश	: 73:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:37:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 05:20:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:04:29 घंटे
साम्पातिक काल	: 02:58:39 घंटे
सूर्योदय	: 06:05:30 घंटे
सूर्यास्त	: 19:17:10 घंटे
दिनमान	: 13:11:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 29:22:05 कर्क
लग्न के अंश	: 26:48:49 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	: **धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	: **पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: प्रीति
करण	: कौलव
गण	: मनुष्य
योनि	: वानर
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: श्वान
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: ढा-ढपली
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	26:48:49	308:11:50	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			कर्क	29:22:05	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	25:31:28	14:28:05	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	07:11:49	00:37:03	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध			सिंह	22:15:41	00:09:39	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मक	22:20:20	00:07:43	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			कन्या	04:17:29	01:11:24	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		मीन	26:21:42	00:01:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	26:07:46	00:03:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	26:07:46	00:03:19	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:11:57	00:02:15	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:04:35	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चिक	09:00:23	00:00:05	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	23:18:11	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:24

लग्न-चलित

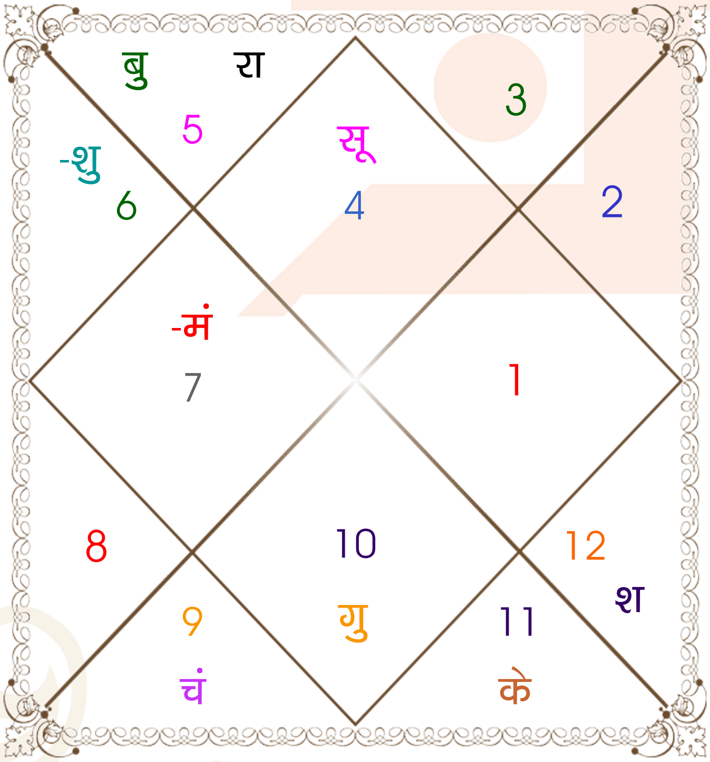

चन्द्र कुंडली

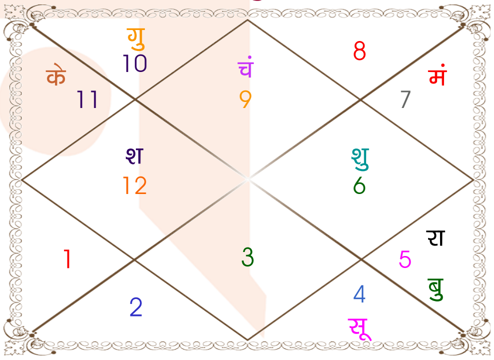

नवमांश कुंडली

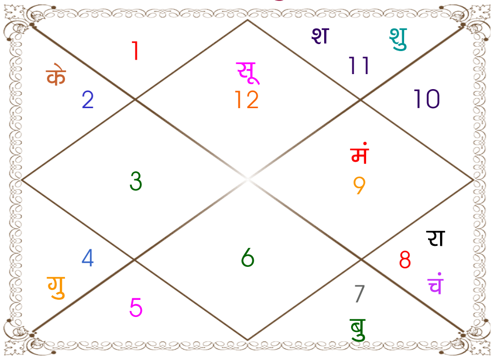

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 8 मास 17 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/08/1997		04/05/1999		03/05/2005		04/05/2015		03/05/2022	
04/05/1999		03/05/2005		04/05/2015		03/05/2022		03/05/2040	
	00/00/0000	सूर्य	21/08/1999	चंद्र	03/03/2006	मंगल	30/09/2015	राहु	13/01/2025
	00/00/0000	चंद्र	20/02/2000	मंगल	02/10/2006	राहु	17/10/2016	गुरु	09/06/2027
	00/00/0000	मंगल	27/06/2000	राहु	02/04/2008	गुरु	23/09/2017	शनि	15/04/2030
	00/00/0000	राहु	21/05/2001	गुरु	02/08/2009	शनि	02/11/2018	बुध	01/11/2032
	00/00/0000	गुरु	10/03/2002	शनि	04/03/2011	बुध	30/10/2019	केतु	20/11/2033
	00/00/0000	शनि	19/02/2003	बुध	02/08/2012	केतु	27/03/2020	शुक्र	20/11/2036
	16/08/1997	बुध	27/12/2003	केतु	03/03/2013	शुक्र	27/05/2021	सूर्य	14/10/2037
बुध	03/03/1998	केतु	03/05/2004	शुक्र	02/11/2014	सूर्य	02/10/2021	चंद्र	15/04/2039
केतु	04/05/1999	शुक्र	03/05/2005	सूर्य	04/05/2015	चंद्र	03/05/2022	मंगल	03/05/2040

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/05/2040		03/05/2056		04/05/2075		03/05/2092		04/05/2099	
03/05/2056		04/05/2075		03/05/2092		04/05/2099		00/00/0000	
गुरु	21/06/2042	शनि	07/05/2059	बुध	29/09/2077	केतु	29/09/2092	शुक्र	03/09/2102
शनि	01/01/2045	बुध	14/01/2062	केतु	26/09/2078	शुक्र	29/11/2093	सूर्य	03/09/2103
बुध	09/04/2047	केतु	23/02/2063	शुक्र	27/07/2081	सूर्य	06/04/2094	चंद्र	04/05/2105
केतु	15/03/2048	शुक्र	24/04/2066	सूर्य	03/06/2082	चंद्र	05/11/2094	मंगल	04/07/2106
शुक्र	14/11/2050	सूर्य	06/04/2067	चंद्र	02/11/2083	मंगल	03/04/2095	राहु	04/07/2109
सूर्य	02/09/2051	चंद्र	04/11/2068	मंगल	29/10/2084	राहु	21/04/2096	गुरु	04/03/2112
चंद्र	01/01/2053	मंगल	14/12/2069	राहु	19/05/2087	गुरु	28/03/2097	शनि	05/05/2115
मंगल	08/12/2053	राहु	20/10/2072	गुरु	24/08/2089	शनि	06/05/2098	बुध	17/08/2117
राहु	03/05/2056	गुरु	04/05/2075	शनि	03/05/2092	बुध	04/05/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 8 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।